















## चुनाव जीतने के बाद शेख हसीना ने भारत को बांग्लादेश का बताया महान मित्र

ढाका। भारी बहुमत से चुनाव जीतने के बाद बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि भारत बांग्लादेश का एक 'महान मित्र' है और हमारे बीच अद्भुत संबंध हैं। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा, भारत बांग्लादेश का बहुत अच्छा दोस्त है। उन्होंने 1971 और 1975 में हमारा समर्थन किया है। हम भारत को अपना पड़ोसी मानते हैं। मैं वास्तव में सराहना करती हूँ कि भारत के साथ हमारे अद्भुत रिश्ते हैं। अगले 5 सालों में हमारा ध्यान आर्थिक प्रगति और हमने जो भी काम शुरू किया है उसे पूरा करना होगा। उन्होंने कहा, हमने अपना घोषणापत्र पहले ही घोषित कर दिया है और जब भी हम अपना बजट बनाते हैं और अपने कार्यों को पूरा करने का प्रयास करते हैं तो हम अपने चुनावी घोषणापत्र का पालन करते हैं। जनता और देश का



विकास ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। पीएम शेख हसीना ने राजधानी ढाका में अपने आधिकारिक निवास गणभवन में मीडिया को संबोधित किया।

उन्होंने कहा, जो लोग आतंकवादी संगठनों से संबंध रखते हैं या अवैध गतिविधियों में लगे हुए हैं, वह चुनाव से डरते हैं और चुनाव लड़ने से भी बचते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जनता की जीत में योगदान देते हैं, मेरी जीत में नहीं।

से डरते हैं और चुनाव लड़ने से भी बचते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जनता की जीत में योगदान देते हैं, मेरी जीत में नहीं।

## राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर अमेरिका में होगा जश्न, कई शहरों में निकाली जाएगी कार रैली

न्यूयार्क, वाशिंगटन। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का जश्न मनाने की अमेरिका में भी तैयारियां तेज हो गई हैं। इस ऐतिहासिक महोत्सव के अवसर पर अमेरिका के प्रमुख शहरों में भर में कार रैलियां निकाली जाएंगी। पिछले हफ्ते वाशिंगटन, शिकागो और अमेरिका के अन्य शहरों में कई रैलियां आयोजित की गई थीं। अमेरिका में 'कैलिफोर्निया इंडियंस' नाम का समूह 'भगवान श्रीराम की घर वापसी' का जश्न मनाने के लिए 20 जनवरी को विशाल कार



रैली का आयोजन करने जा रहा है। आयोजकों ने कहा कि रैली में 400 से अधिक कारों के प्रतिभाग करने की संभावना है और यह रैली साउथ वे से प्रतिष्ठित गोल्डन गेट ब्रिज तक जाएगी। आयोजकों ने कहा कि उत्तरी कैलिफोर्निया के

भारतवंशी भारत के आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े और गौरवपूर्ण कार्यक्रम का जश्न मनाने के लिए एकजुट है। आयोजकों ने कहा कि हम अयोध्या नहीं जा सकते हैं लेकिन राम हमारे दिल में हैं। स्थानीय

मंदिरों और भारतवंशियों ने 22 जनवरी को भी विशेष आयोजन करने की तैयारी की है। पूरे अमेरिका में स्थानीय मंदिर और प्रवासी संगठनों ने 22 जनवरी तक विशेष उत्सव आयोजित करने की योजना बनाई है। 22 जनवरी अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। आयोजकों ने कहा कि रोहित शर्मा, मणि किरण, परम देसाई, दैप्यान देव, दीपक बजाज और बिमल भागवत सहित समुदाय के नेता कैलिफोर्निया रैली की योजना बना रहे हैं।

## जापान में नए साल पर आए भूकंप से इशिकावा प्रांत में जान-माल की बड़ी क्षति, मलबे से अब तक 180 शव निकाले गए

टोक्यो। जापान में नए साल के दिन आए शक्तिशाली भूकंप के बाद लगी आग से इशिकावा प्रांत में भारी तबाही हुई है। सैकड़ों आवास और दुकानें धराशायी हो गई हैं। पुलिस लापता लोगों की तलाश कर रही है। इस प्रांत में अब तक 180 लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है। स्थानीय अखबार द जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने मंगलवार को इशिकावा प्रांत में आग से तबाह हुए बाजार के जले हुए अवशेषों को खंगाला। इस दौरान कई शव बरामद हुए। अधिकारियों ने कहा कि आपदा में मरने वालों की संख्या भी बढ़कर 180 हो गई है।



इनमें वाजिमा शहर के 81 लोग भी शामिल हैं। वाजिमा मॉनिंग मार्केट में लगभग 100 बचावकर्मियों ने लापता लोगों की तलाश की। रिपोर्ट के अनुसार, बर्फबारी,

बारिश और गिरते तापमान ने इशिकावा में राहत प्रयासों को जटिल बना दिया है। उल्लेखनीय है कि पहली जनवरी को 7.6 तीव्रता के भूकंप के बाद 1,200 से अधिक झटके महसूस किए।

## अमेरिका ने कहा, चीन और पाकिस्तान में नहीं है धार्मिक स्वतंत्रता, जारी की ऐसे देशों की सूची

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने कहा है कि चीन, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान में धार्मिक स्वतंत्रता नहीं है। धार्मिक स्वतंत्रता का दमन करने वाले देशों के नामों की सूची जारी करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटीनी ब्लिंकन ने कहा, अमेरिका की विदेश नीति में धार्मिक स्वतंत्रता अहम मुद्दा है। अन्य देशों से संबंधों के विकास में अमेरिका इस मानदंड को बड़ा महत्व देता है। अमेरिकी संसद ने साल 1998 में अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम बनाकर वैश्विक स्तर पर धार्मिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया था। बीते वर्ष (2023) के अनुभवों के आधार पर तैयार इस सूची को सार्वजनिक करते हुए ब्लिंकन ने बताया कि इसमें म्यांमार, चीन, क्यूबा, उत्तर कोरिया, ईरीट्रिया, ईरान, निकारागुआ, पाकिस्तान, रूस, सऊदी अरब, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के नाम हैं। इन देशों में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति चिंताजनक है। इन देशों में अल्पसंख्यकों को उनके अधिकार नहीं मिलते, साथ ही



उनके साथ कई तरह से भेदभाव और अन्याय होता है। इसके अलावा अल्जीरिया, अजरबैजान, मध्य अफ्रीकी देश कोसोरोस और वियतनाम में भी धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति अच्छी नहीं है। इन देशों में

अल्पसंख्यकों को पर्याप्त धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं है। विदेश मंत्री ब्लिंकन ने अल-शाबाब, बोको हराम, हयात तहरीर अल-शाम, हाउती, आईएस-साहेल, आईएस-वेस्ट अफ्रीका, अल कायदा, जमात नस्र अल-इस्लाम

वल-मुस्लिमीन और तालिबान को धार्मिक स्वतंत्रता के लिए खतरनाक बताया है। ब्लिंकन ने कहा, धार्मिक स्वतंत्रता एक वैश्विक मुद्दा है। इसके अंतर्गत होने वाले भेदभाव और अन्याय को सतत और

व्यवस्थित प्रक्रिया से दूर किया जा सकता है। अमेरिका का उद्देश्य विश्व में समतामूलक समाज की स्थापना है जिसमें सभी लोगों को बराबरी और इच्छानुसार धर्म और पूजा पद्धतियों का पालन करने की स्वतंत्रता हो।

## पंजाब प्रांत की सरकार ने लाहौर हाई कोर्ट में पीटीआई के पूर्व नेता उस्मान डार के भाई की पुलिस हिरासत को स्वीकारा



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने मंगलवार को लाहौर हाई कोर्ट को बताया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के पूर्व नेता उस्मान डार का भाई उमर डार वर्तमान में सियालकोट पुलिस की हिरासत में है। उस्मान डार ने आरोप लगाया था कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उनके भाई को अगवा कर अवैध तौर पर हिरासत में लिया है। डार ने

इस संबंध में याचिका दायर कर लाहौर हाई कोर्ट से न्याय की गुहार लगाई थी। स्थानीय अखबार डान की रिपोर्ट के अनुसार लाहौर हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान पंजाब के अतिरिक्त महाधिवक्ता गुलाम सरवर निहान प्रांतीय सरकार के वकील के रूप में पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि उमर डार को 8 जनवरी को गिरफ्तार किया गया है। वह कैंट पुलिस स्टेशन में सियालकोट पुलिस की हिरासत में है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने 30 दिसंबर को दावा किया था कि उमर का लाहौर में अपहरण कर लिया गया है। इसके बाद हाई कोर्ट ने पुलिस को 24 घंटे के भीतर उसे बरामद करने का निर्देश दिया था। पिछले हफ्ते हाई कोर्ट ने उमर की गिरफ्तारी या हिरासत से इनकार करने वाली पंजाब पुलिस की रिपोर्ट को अस्तोषजनक बताया हूए खारिज कर दिया था। अगले दिन हाई कोर्ट ने पंजाब के पुलिस महानिरीक्षक डॉ. उस्मान अनवर को कथित अपहरण के सीसीटीवी फुटेज के आलोक में एक नई रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश दिया था। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार

दिसंबर में डार बंधुओं की मां रेहाना ने पीएमएल-एन के नेता ख्वाजा आसिफ और पुलिस पर उनके सियालकोट स्थित घर पर छापे मारने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया था। आसिफ और सियालकोट पुलिस ने उनके दावे का खंडन किया था। जस्टिस अली बकर नजफी ने आज की सुनवाई की अध्यक्षता की। इस दौरान अदालत में रेहाना और उमर की बेटी मौजूद रहीं। उमर के वकील अबुजर सलमान नियाजी ने अपना पक्ष रखा। पंजाब के अतिरिक्त महाधिवक्ता गुलाम सरवर निहान ने हाई कोर्ट को बताया कि उमर को दो एफआईआर में नामित किया गया था। यह एफआईआर नौ मई के हिंसक दंगों से संबंधित थीं। यह एफआईआर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद दायर की गई थीं। इस बीच हाई कोर्ट ने चुनाव अपीलीय न्यायाधिकरण की एनए-71 (सियालकोट-द्वितीय) निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन पत्र की अस्वीकृति के खिलाफ डार बंधु की मां रेहाना की अपील स्वीकार कर ली। वकील नियाजी ने पुष्टि की कि उन्हें अब आगामी आठ फरवरी का आम चुनाव लड़ने की अनुमति दी है।

## भारतीय नागरिकों के थे नेपाल के जंगल में मिले दो शव, दोहरे हत्याकांड का खुलासा

काठमांडू। नेपाल के जंगल में करीब डेढ़ माह पहले मिले दो शवों की पहचान भारतीय नागरिकों के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या का कारण आपसी रंजिश बताया है। बिहार पुलिस के सहयोग से नेपाल पुलिस ने डेढ़ महीने से अनुसलझे इस हत्याकांड का खुलासा करके मृतकों के भारतीय परिजनों को जानकारी भी दे दी है। दरअसल, पिछले वर्ष 22 नवम्बर में नेपाल के चितवन जिला के जंगल के बीच एक पुल के नीचे बोरियों में बांध कर फेंके गए अज्ञात महिला और युवक के शव बरामद हुए थे। दोनों शवों की पहचान के लिए पुलिस ने देशभर में फोटो जारी की और कई इश्तहार दिए, लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी ना तो किसी ने उन दोनों शवों की पहचान की और ना ही नेपाल के किसी जिले में दोनों लोगों के लापता होने की शिकायत ही दर्ज मिली। नेपाल पुलिस के अनुसार बोरी के भीतर लाश के ना सिर्फ हाथ पर बंधे थे, बल्कि मुंह पर टेप भी लगा था। साथ ही दोनों शवों के गले पर कटे ना निशान भी था। इन दोनों शवों को देखकर पुलिस को इतना अंदाजा तो हो गया था कि दोनों की हत्या की गई है और दोनों शवों में आपसी कोई संबंध है। पहले तो पुलिस को यह ऑन किलिंग का मामला लगा या फिर किडनेप कर हत्या किए जाने की आशंका हुई। जब एक महीने बाद तक कोई सुराग नहीं मिला तो नेपाल पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सीमावर्ती बिहार पुलिस से समन्वय किया।



नेपाल के पुलिस प्रवक्ता डीआईजी कुबेर कडायत ने बताया कि बिहार पुलिस ने जैसे ही दोनों शवों की फोटो को नेपाल से लगे सभी सीमावर्ती जिलों में भेजा तो ना सिर्फ शवों की पहचान हुई, बल्कि हत्या के कारणों का भी पता लग गया। उन्होंने बताया कि बिहार पुलिस के सहयोग से डेढ़ महीने पहले जंगल में मिले महिला के शव की पहचान पूर्वी चम्पारण जिला सुगौली सुगावडीह निवासी 30 वर्षीया अस्मिता उर्फ संजू देवी

के रूप में हुई है। इसी तरह युवक शव की पहचान पूर्वी चम्पारण सुगौली फुलवारी के 19 वर्षीय ऋषभ कुशवाहा के रूप में हुई है। इन दोनों की हत्या अस्मिता के पति अखिलेश भगत ने की थी। हत्याकांड का खुलासा होने के बाद बिहार पुलिस ने अखिलेश भगत को गिरफ्तार कर लिया है। नेपाल पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि अखिलेश भगत अपनी पत्नी अस्मिता और अपने भतीजे ऋषि के साथ नेपाल के चितवन

में घूमने के लिए गए और वहां किराए का मकान लेकर रहने लगे। अस्मिता और ऋषभ का फलों के व्यापार के सिलसिले में पहले भी चितवन आना-जाना लगा रहता था। अखिलेश ने पूछताछ में कबूल किया है कि उसने पत्नी और भतीजे के बीच अवैध संबंध की आशंका में दोनों की हत्या कर दी थी। इसके बाद उनके शव वारी-वारी से साइकिल पर रखकर जंगल में पुल के नीचे फेंक आया था। डीआईजी कडायत ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज से भी पता चला कि जिस जगह पर अस्मिता और ऋषभ रहते थे, वहां 18 नवम्बर की रात को करीब 12:45 बजे अखिलेश साइकिल पर रखकर बोरा ले जा रहा है। उसके ठीक एक घंटे के बाद दोबारा एक बोरा करीब 1:35 के आसपास ले जाते हुए देखा गया। 18 नवम्बर को हत्या करने के बाद दोनों शव चार दिन बाद 22 नवम्बर को बरामद हुए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बताया कि अखिलेश भगत हत्या और शव बरामदगी के दस दिन के बाद यानि 1 दिसम्बर को चितवन से बाहर निकला। नेपाल पुलिस ने सभी सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य सबूत और दस्तावेज बिहार पुलिस को सौंप दिए, जिसके बाद वह मोतिहारी से 1 जनवरी की रात को गिरफ्त में आया। मोतिहारी पुलिस और नेपाल पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कई दिनों तक उससे पूछताछ करने के बाद सोमवार को इस दोहरे हत्याकांड के बारे में जानकारी सार्वजनिक की।

### अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक  
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर  
योग सत्यम् समिति  
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज  
1/6C माधव कुंज  
कटरा प्रयागराज से मुद्रित

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान  
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश  
से प्रकाशित।  
सम्पादक  
स्वामी श्री योगी सत्यम्  
RNI No: UPHIN/2001/09025  
ऑफिस नं.:  
9565333000  
Email:-  
akhandbharatsandesh1@gmail.com  
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र  
प्रयागराज होगा।